

# सामान्य हिंदी 34PYQ



Download Pdf Note

Website Name :- [simply247.netlify.app](https://simply247.netlify.app)

**सामान्य परिचय**—लोकोक्ति को कहावत भी कहते हैं। 'कहावत' शब्द कथावत् से बना है, क्योंकि इनका प्रचलन किसी कथा या कहानी में निहित सत्य के आधार पर हुआ है। इनका प्रयोग वाक्य को अधिक युक्तिसंगत, प्रभावशाली एवं प्रामाणिक बना देता है। कहावत लोक में सूत्र के रूप में प्रचलित रहती है। इसी कारण वह लोक की उक्ति अथवा लोकोक्ति कही जाती है।

मुहावरा और लोकोक्ति का प्रयोग एवं प्रभाव बहुत कुछ समान होते हैं ।  
इस कारण अनेक व्यक्ति इन दोनों के मध्य अंतर नहीं कर पाते हैं और एक के  
स्थान पर दूसरे का प्रयोग कर देते हैं ।

मुहावरा और कहावत (लोकोक्ति) के मध्य मुख्य अंतर यह होता है कि मुहावरा किसी वाक्य का अंश होता है और अलग से उसका कोई विशेष अर्थ नहीं होता है अर्थात् मुहावरा वाक्य में रहकर ही अपने अर्थ के चमत्कार को प्रकट करता है, परन्तु लोकोक्ति स्वतः पूर्ण रहती है और वह अलग से भी अपने साथ विशेष अर्थ अथवा संकेत को वहन करती है।

मुहावरे शब्दों के लाक्षणिक प्रयोग हैं, किन्तु कहावतें किसी कहानी अथवा चिरन्तन सत्य से सम्बन्धित हुआ करती हैं। इनका प्रयोग विषय को स्पष्ट करने के लिए किया जाता है। मुहावरा केवल चमत्कार उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।

सारांश रूप में कहावतें लोकोक्तियों का स्वतंत्र फल होता है। ये साधन और साध्य दोनों होती हैं। परन्तु मुहावरे केवल कथन की शैली के रूप में प्रयुक्त होते हैं।



## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-(प्रश्न 1-35) : यहाँ कुछ कहावतें दी जा रही हैं। प्रत्येक के नीचे चार वैकल्पिक अर्थ दिए गए हैं। उपयुक्त अर्थ का चयन कीजिए।

1. अधजल गगरी छलकत जाए

(A) सम्हल कर न चलना

(B) थोड़े पानी का बगूला होना

(C) अल्पज्ञ अथवा सामान्य सम्पत्ति वाले व्यक्ति द्वारा गर्व प्रदर्शन

(D) अपनी छोटी-सी बात की भी प्रशंसा करना

2. किसी की आई मुझको आ जाए
- (A) कसाई के कोसे पड़रा मर जाए
  - (B) जे सहि दुःख परछिद्र दुरावा
  - (C) आप मरे जग प्रलय होई
  - (D) दूसरे की बला मेरे ऊपर आ जाए

3. आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास
- (A) साधुओं की संगति छोड़ देना
  - (B) भक्ति छोड़ कर दुकानदारी करने लगना
  - (C) वांछित कार्य छोड़कर अन्य कार्य में लग जाना
  - (D) अनावश्यक कार्य करना

4. तू डाल-डाल मैं पात-पात

(A) पेड़ों पर चढ़कर खेले जाने वाला खेल

(B) एक-से-एक बढ़कर चालाक होना

(C) चोरी करने के बाद पकड़ाई में न आने का प्रयत्न करना

(D) जैसे को तैसा फल चखाना



5. पाव भर चून पुल पर रसाई

(A) अपनी सम्पत्ति का प्रदर्शन करना

(B) थोड़ी चीज को बहुत समझना

(C) अपनी चीज की बर्बादी करना

(D) सीमित साधन होने पर भी अधिक व्यक्तियों को निमंत्रित कर देना

6. थोथा चना बाजे घना

- (A) ठलुआ व्यक्ति केवल बातें करता है
- (B) खाली चना घुँघरू की आवाज करता है
- (C) बोलने से व्यक्ति की वास्तविकता का पता लग जाता है
- (D) अल्पज्ञ व्यक्ति अधिक बोलता है

7. हाथी के दाँत दिखाने के और खाने के और
- (A) असली वस्तु दिखाकर नकली वस्तु देना
  - (B) नम्बर दो का व्यापार करना
  - (C) दोहरा व्यवहार करना
  - (D) मीठी-मीठी बातें बनाकर किसी को धोखा देना

8. न सावन सूखा न भादों हरा

- (A) सदैव एक-सा रहना
- (B) मुँह पर मन के भाव न आने देना
- (C) स्थिर चित्त रखना
- (D) सुख-दुःख से परे रहना

9. अन्धी पीसैं कुत्ते खाएँ

(A) अपना माल लुटाना

(B) विवशता का अनुचित लाभ उठाना

(C) असावधानी से किए जाने वाले कार्य द्वारा अयोग्य व्यक्ति/व्यक्तियों को लाभ होता है

(D) बेहिसाब काम करना



10. नई नाइन बाँस का नैहन्ना/नई घोषन उपलो का तक्रिया

- (A) नए शौक को पूरा करने के लिए अजीब तरह व्यवहार करना
- (B) अनाड़ीपन या मूर्खता का काम करना
- (C) अनुभवहीन व्यक्ति सदैव गलत काम करता है
- (D) नया कारीगर अपना रौब जमाने के लिए प्रायः गलत काम कर बैठता है

11. न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेली

- (A) बड़े लोगों से काम करना बहुत कठिन होता है
- (B) कार्य करने के लिए कोई असाधारण बहाना बनाना/शर्त रख देना
- (C) बड़े लोगों की बातें बड़ी होती हैं
- (D) बड़े घर की लड़कियों के नखरे भी बड़े होते हैं

12. नौ दिन चले अढ़ाई कोस

- (A) बहुत धीमी गति से काम करना
- (B) बहुत धीमी गति से चलना
- (C) अधिक समय में कम काम करना
- (D) हरामखोरी करना

#### 14. आम खाने या पेड़ गिनने

- (A) व्यर्थ की बातें न करके केवल अपने मतलब की बात करनी चाहिए
- (B) बगीचे में जाकर आमों पर नजर रखनी चाहिए
- (C) अपने काम से काम रखना
- (D) अपना काम तत्काल समाप्त करना चाहिए

15. ऊँट मक्के की ओर भागता है

- (A) अपने मतलब को गाँठना पशु भी जानते हैं
- (B) अपने अभीष्ट को सभी प्राप्त करना चाहते हैं
- (C) पशु भी घर की याद करते हैं
- (D) अपनी जन्मभूमि से प्रायः सभी प्रेम करते हैं



15. ऊँट मक्के की ओर भागता है

- (A) अपने मतलब को गाँठना पशु भी जानते हैं
- (B) अपने अभीष्ट को सभी प्राप्त करना चाहते हैं
- (C) पशु भी घर की याद करते हैं
- (D) अपनी जन्मभूमि से प्रायः सभी प्रेम करते हैं

16. एक तबे की रोटी, क्या छोटी क्या मोटी

- (A) खाने से मतलब, रोटियों की बनावट का हिसाब लगाना व्यर्थ है
- (B) भोजन की सामग्री में दोष बताना
- (C) सभी लगभग एक से होना
- (D) भोजन में छुआछूत की बात करना

17. खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है
- (A) पड़ोस का असर पड़ता ही है
  - (B) समूह में सब लोग परस्पर समान व्यवहार करते हैं
  - (C) एक खेत के सब खरबूजे समान होते हैं
  - (D) एक-दूसरे की नकल/स्पर्द्धा करना

18. गधा खेत खाए जुलाहा पीटा जाए

- (A) जानवर पालने के अनेक दुष्परिणाम हो सकते हैं
- (B) जीवन में अनेक असंगत घटनाएँ होती रहती हैं
- (C) अन्याय करना
- (D) अपराध कोई करे और दण्ड अन्य किसी को दिया जाये .(मिले)

19. इमली के पात पर बारात का डेरा

(A) कमाल दिखाना

(B) साधन थोड़े, बातें बड़ी

(C) असंभव बात

(D) अत्यंत कंजूस होना



20. कनक धतूरे सों कहत, गहनों गढ़ों न जात

(A) नाम के आकर्षक होने से काम नहीं चलता है

(B) संसार काम चाहता है, नाम नहीं

(C) किसी के समान नाम रख लेने से उसके समान सम्मान नहीं मिलता है

(D) धतूरा सोने की भाँति उपयोगी नहीं होता है

21. घी खाया बाप ने सूँघो मेरे हाथ

- (A) पिता की सम्पत्ति का अधिकारी होना
- (B) दूसरों के श्रेष्ठ कार्य का स्वयं श्रेय लेना
- (C) पिता के नाम पर यश कमाना
- (D) पिता के अपराध के लिए खुद को दोषी मानना

22. हाथ कंगन को आरसी क्या

- (A) प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं
- (B) सुन्दर स्त्री को आभूषणों की आवश्यकता नहीं
- (C) विद्वान को धन की आवश्यकता नहीं
- (D) नौ नकद न तेरह उधार

23. होनहार बिरवान के होत चीकने पात

- (A) महान बनने वाले व्यक्तियों के गुण पालने में (बचपन में) ही नजर आने लगते हैं
- (B) चिकने पत्ते वाले पौधे अच्छी नस्ल के होते हैं
- (C) अच्छे पौधों की पहचान उनके चिकने पत्तों से की जाती है
- (D) चिकने पत्ते वाले पौधे सबको अच्छे लगते हैं

24. मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

- (A) कल्पना करने मात्र से सब काम संभव है
  - (B) हिम्मत न हारने वाले की जीत होती है
  - (C) हतोत्साहित होने पर असफलता और निरन्तर उत्साहपूर्वक कार्य करने वाले को सफलता मिलती है
  - (D) काम के समय जैसी मनःस्थिति होती है, वैसा ही परिणाम निकलता है
-



25. पढ़े फारसी बेचें तेल, यह देखो कुदरत का खेल
- (A) फारसी पढ़ लोगों को प्रायः तेल बेचना पड़ता है
  - (B) शिक्षित होकर बेकार रहना
  - (C) योग्यता होते हुए भी विवशता के कारण निम्न स्तर का कार्य करना
  - (D) विद्या का अपमान करना

26. मुल्ला की दौड़ मस्जिद तक

(A) सीमित सामर्थ्य होना

(C) लकीर का फकीर होना

(B) कूप-मण्डूक होना

(D) सीमित ज्ञान होना

27. तेल देखो तेल की धार देखो

- (A) तेल के फैलने पर उसकी धार की दिशा देखना चाहिए
- (B) रुख पहचानना
- (C) काम करते समय उसकी पहचान करना
- (D) तेल की धार देखकर तेल का परीक्षण करना

28. अपना रख, पराया चख

- (A) अपनी वस्तु की रक्षा और दूसरे की वस्तु का उपयोग
- (B) मुफ्त की वस्तु का प्रयोग करना
- (C) दूसरे की वस्तु का दर्द न होना
- (D) पराई वस्तु में स्वाद आता है

30. घी का लड्डू टेढ़ा भला

- (A) घी का हर सामान स्वादिष्ट होता है
- (B) लड्डू सदैव स्वादिष्ट लगता है
- (C) बढ़िया माल से तैयार की हुई वस्तु सदैव अच्छी होती है
- (D) काम की वस्तु कुरूप होने पर भी ठीक समझी जाती है

31. जंगल में मोर नाचा किसने देखा ?

- (A) मोर एकांत में नाचता है
- (B) किसी ऐसे स्थान पर काम करना जिससे किसी को लाभ न हो
- (C) विदेश में रहने वाले व्यक्ति के बड़प्पन को कोई स्वीकार नहीं करता !
- (D) छिपकर किए जाने वाले काम का महत्व नहीं होता है



32. मियाँजी की दाढ़ी ताबीजों में खत्म हो जाना अथवा मियाँ की दाढ़ी चुमाई में जाना

(A) परोपकारी की हानि ही होती है

(B) अपना काम करने के बाद अन्य लोगों की भलाई की बात सोचनी चाहिए

(C) किसी वस्तु का दूसरों के देखने में समाप्त हो जाना

(D) दाढ़ी वाले लोग सहज की ठग लिए जाते हैं



33. आग खाना अंगार निकलना

(A) जैसा करोगे वैसा भरोगे

(B) बबूल बोने पर आम के फल नहीं खाए जाते हैं

(C) बुरा भोजन बुद्धि को खराब कर देता है

(D) बुरी संगत बुरा कर्म

34. कोयले की दलाली में हाथ काले

- (A) काली वस्तु अपना रंग लगा ही देती है
- (B) बुरी संगति में बदनामी मिलती ही है
- (C) कोयले के दलाल को कोयले का स्पर्श करना ही पड़ता है
- (D) व्यवसाय अपना प्रभाव डालता ही है